शुक्रवार
28 जनवरी 2022

पृष्ठ 4
चाय और कॉफी में चीनी की जगह इन चीजों का कर सकते हैं इस्तेमाल

पृष्ठ 5
कोरोना के कारण टली दीपिका की मूवी 'गहराइया' की रिलीज़ डेट

- देहरादून
- वर्ष 30
- अंक 05
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सतत परिश्रम, सुकर्म और निरंतर सावधानी से ही स्वतंत्रता का मूल्य चुकाया जा सकता है।
– मुक्ता

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नामांकन केंद्रों पर अंतिम दिन उमड़ी भीड़

भाजपा व कांग्रेस के दिग्गजों ने भरे पर्चे

❑हरीश रावत, गोदियाल, गणेश जोशी व किशोर उपाध्याय तथा सूर्यकांत ने भरा पर्चा

संवाददाता

देहरादून। आज नामांकन पत्र भरे जाने की अंतिम तारीख है। आज नामांकन कराने के लिए जहां राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों और दिग्गज नेताओं कीं भीड़ उमड़ती देखी गई वही बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने-अपने नामांकन पत्र भरे।

प्रारंभिक दौर में सुस्त रही नामांकन भरने की प्रक्रिया आज अंतिम दिन अपने चरम पर दिखी। भाजपा और कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेताओं ने जहां आज अंतिम दिन अपने नामांकन पत्र भरे वहीं बसपा और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने भी बड़ी संख्या में आज अपना नामांकन पत्र जमा कराया है। यही नहीं भाजपा और कांग्रेस के कई असंतुष्ट नेताओं ने आज निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरते हुए अपने नामांकन पत्र भरे गए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आज लालकुआं से, रंजीत रावत ने सल्ट सीट से अपना नामांकन पत्र भरा है वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने श्रीनगर और हरीश रावत की बेटी अनुपमा रावत ने हरिद्वार ग्रामीण से अपना नामांकन पत्र भरा है यही नहीं दून के कैंट विधानसभा से प्रत्याशी सूर्यकांत धस्माना ने भी आज अपना नामांकन पत्र भरा है। भाजपा प्रत्याशी गणेश जोशी ने मसूरी सीट से आज अपना पर्चा भरा वही बहुचर्चित टिहरी से भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी किशोर उपाध्याय और धन सिंह नेगी ने भी आज अपने-अपने नामांकन पत्र भरे हैं।

आज सुबह से ही नामांकन केंद्रों पर गहमा गहमी दिखाई दी। क्योंकि आज नामांकन पत्र भरने की आखिरी तारीख है। आज शाम पांच बजे तक ही नामांकन पत्र भरे जाने हैं इसलिए आज सुबह से

◄◄ शेष पृष्ठ 7 पर

शाह ने रुद्रप्रयाग की जनता से मांगा जीत का आशीर्वाद

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। गृह मंत्री अमित शाह आज अपने चुनावी अभियान पर रुद्रप्रयाग पहुंचे जहां उन्होंने डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान चलाया तथा भाजपा सरकार के कामों का हवाला देकर लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान कर राज्य में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाने की अपील की।

तय कार्यक्रम के अनुसार अमित शाह आज 11 बजे रुद्रप्रयाग पहुंचे सबसे पहले उन्होंने रुद्रनाथ मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की जिसके बाद उन्होंने जनसंपर्क अभियान शुरू किया। उन्होंने

❑कांग्रेस ने जो 70 साल में नहीं किया वह हमने 7 साल में कर दिखाया

कहा कि बीते 70 साल में जो विकास उत्तराखंड में नहीं हुआ था भाजपा की सरकारों ने वह काम 5-7 सालों में करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह सब इसलिए संभव हुआ क्योंकि 2014 और 2017 और 2019 के चुनावों में देवभूमि के लोगों ने भाजपा को खुलकर अपना आशीर्वाद दिया है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य को

◄◄ शेष पृष्ठ 7 पर

सुप्रीम कोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण के मुद्दे पर शर्तो को कम करने से किया इनकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को पदोन्नति में आरक्षण देने के मुद्दे पर अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने एससी/एसटी के लिए आरक्षण की शर्तों को कम करने से इनकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि बिना आंकड़े के नौकरियों में प्रमोशन में रिजर्वेशन नहीं दिया जा सकता है। प्रमोशन में रिजर्वेशन देने से पहले राज्य सरकारों को आंकड़ों के जरिए ये साबित करना होगा कि एससी/एसटी का प्रतिनिधित्व कम है। समीक्षा अवधि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जानी चाहिए। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह एससी और एसटी को पदोन्नति में आरक्षण देने के अपने फैसले को फिर से नहीं खोलेगा क्योंकि यह राज्यों को तय करना है कि वे इसे कैसे लागू करते हैं।

जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने विषय में अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल, अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल बलबीर सिंह और विभिन्न राज्यों की ओर से पेश हुए अन्य वरिष्ठ वकीलों सहित सभी पक्षों को सुना है। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई भी शामिल हैं। पीठ ने २६ अक्टूबर २०२१ को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

देश में 24 घंटे में 251209 नए कोरोना केस सामने आए, एक दिन में 3 लाख से ज्यादा मरीज ठीक हुए

नई दिल्ली । भारत में कोरोना के नए मामले में कमी दर्ज की गई। भारत में पिछले २४ घंटों में २,५१,२०९ नए कोविड–१९ केस सामने आए हैं, जो गुरुवार के मुकाबले ३५,९७५ कम हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ो के अनुसार, गुरुवार को पिछले २४ घंटे में लाख ८६ हजार ३८४ नए मामले सामने आए थे।

आज की बात करें तो देश में पिछले २४ घंटे में ६२७ लोगों की मौत हुई है, जबकि ३,४७,४४३ रिकवरी दर्ज की गई। वहीं, सक्रिय मामले २१,०५,६११ हैं और १५.८८ फीसदी दैनिक पॉजिटिविटी रेट है। यही नहीं, १,६४,४४,७३,२१६ कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा है। बता दें कि गुरुवार को

दैनिक संक्रमण दर १६.५ प्रतिशत हो गया था तो वहीं देश में पिछले २४ घंटे में ५७३ मरीजों की मौत भी कोरोना से हुई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी अपडेट के अनुसार देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना से ३०६३५७ मरीज कोरोना से ठीक हुए थे, जबकि एक्टिव मामले गुरुवार को कम हुए थे। इसके अलावा बीते दिन सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या में २०५४६ की कमी दर्ज की गई थी।

वही दूसरी ओर राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है और मामले कम दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसे में घटते कोरोना मामलों के मद्देनजर, दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविड प्रतिबंधों को रिवाइज किया है।

बता दें कि गुरुवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अहम बैठक हुई थी जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपराज्यपाल अनिल बैजल और अन्य कई वरिष्ठ प्रमुख अधिकारी शामिल हुए थे। मीटिंग में कई पाबंदियों को हटा लिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

उल्टे-पुल्टे चुनावी समीकरण

उत्तराखंड विधानसभा का वर्तमान चुनाव अब तक के तमाम चुनावों से अलग हटकर है। नामांकन पत्र भरने के आखरी तारीख से एक दिन पूर्व तक जिस तरह उठापटक देखने को मिली वैसा पहले कभी नहीं हुआ। 5 साल तक एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने वाले तमाम नेता टिकट के लिए दलबदल करने में कोई संकोच करते नहीं दिखे। भाजपा और कांग्रेस के इन नेताओं की रातों ंरात निष्ठा बदल गई और दोनों ही दलों ने विरोधी दलों के इन नेताओं का बाहें पसार कर स्वागत ही नहीं किया अपितु अपने दल के विधायक और नेताओं को दरकिनार करते हुए उन्हें चंद घंटों और मिनटों में अपना अधिकृत पार्टी प्रत्याशी की घोषित कर दिया गया। इस तरह की रणनीति अब तक सिर्फ भाजपा द्वारा ही अपनाई जाती थी लेकिन इस बार उत्तराखंड में कांग्रेस ने इस रण में भाजपा को भी पीछे छोड़ दिया। किशोर उपाध्याय व सरिता आर्य सहित चार कांग्रेसी नेता जहां भाजपा में गए वहीं भाजपा के यशपाल आर्य, संजीव आर्य व धन सिंह नेगी सहित पांच मंत्री, विधायक और नेताओं को कांग्रेस ने समेट लिया। अपनों की उपेक्षा और दूसरों को सम्मान के मुद्दे पर भले ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों में भारी बगावत देखी जा रही है लेकिन दोनों ही दल फिलहाल इस पर गौर करने को तैयार नहीं है। यह बगावत क्या गुल खिलाएगी? इसका पता भले ही 10 मार्च को चुनाव रिजल्ट आने पर ही चल सकेगा लेकिन इसका असर इस चुनाव में पड़ना तय माना जा रहा है। वर्तमान चुनाव के बारे में दूसरी सबसे अहम बात यह है कि टिकट के लिए जिस तरह की मारामारी इस बार देखी गई वह भी अभूतपूर्व रही है। नामांकन की अंतिम तिथि तक भाजपा व कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नाम में फेरबदल करने व रणनीति कारणों से सूचियों को लंबित रखने पर विवश देखे गए। भाजपा और कांग्रेस को टिहरी और डोईवाला की सीटों पर प्रत्याशी तय करने में नामांकन की अंतिम तिथि तक जाना पड़ा। कांग्रेस की दूसरी सूची आने के बाद तो ऐसा कोहराम मचा की कांग्रेस के अपने चुनाव प्रभारी और कांग्रेस का सबसे बड़ा चेहरा माने जाने वाले हरीश रावत सहित पांच प्रत्याशियों की विधानसभा सीटों को बदलना पड़ा, वहीं कई घोषित प्रत्याशियों को ड्रोप करना पड़ा। जिन्हे मनाना अब कांग्रेस को भारी पड़ रहा है। दरअसल 2022 का यह चुनाव भाजपा और कांग्रेस के लिए अति महत्व का इसलिए भी हो चुका है क्योंकि भाजपा के सामने अपनी प्रतिष्ठा बचाने की चुनौती है क्योंकि वह 2017 में रिकॉर्ड 57 सीटों पर जीत व प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में पहुंची थी तथा डबल इंजन वाली सरकार कहीं जाती थी वहीं कांग्रेस जो दहाई भर विधायकों के साथ अपने न्यूनतम स्तर पर रही थी, के सामने अपने अस्तित्व की सुरक्षा का सवाल है। हरीश रावत जिनके मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस की यह दुर्दशा हुई और जो अब अपनी अंतिम सियासी पारी खेल रहे हैं इस दाग के साथ अपनी राजनीति से विदाई नहीं चाहते। उनकी तमन्ना है कि खेल उनके रहते बिगड़ा था तो उनके रहते ही संभल जाना चाहिए? भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करने का इतिहास बनाने की कोशिश में है तो कांग्रेस व हरीश अपनी प्रतिष्ठा कायम रखने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। बाजी किसके हाथ लगेगी अभी पता नहीं लेकिन टक्कर कड़ी होगी यह तय है।

सरकार प्राथमिकता से दूर करे संकट

भूपेंद्र सिंह हुड्डा

बेरोजगारी संकट देश की सामाजिक शांति, आर्थिक विकास और राजनीतिक ताने-बाने के लिए बड़ा खतरा है। वर्ष 2019 में एनएसएसओ के आंकड़ों के अनुसार देश में बेरोजगारी का स्तर पिछले 45 वर्षों में सबसे ज्यादा है। यह 34 प्रतिशत बेरोजगारी विशेष रूप से 20 से 24 वर्ष की आयु के बीच के भारतीय युवाओं में अधिक थी। सरकार की दोषपूर्ण आर्थिक नीतियों, कोरोना महामारी के प्रभाव, समाधान में प्राथमिकता न होने ने स्थिति को विकट बनाया।

दरअसल, रोजगार के अवसरों की कमी होने से ये समस्या बनी हुई है। नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की बेरोजगारी में वांछित या जरूरी कौशल की कमी भी ऐसी समस्याओं का कारण बनती है, वहीं उपलब्ध नौकरियों की गुणवत्ता नौकरी चाहने वालों के कौशल या शिक्षा स्तर के अनुरूप न होना। हरियाणा में ऊंची डिग्री वाले शिक्षित युवाओं को ग्रुप-डी कर्मचारियों (चपरासी, सेवादार आदि) पदों पर भर्ती किया गया। वहीं कृषि क्षेत्र में दबे पांव बढ़ रही बेरोजगारी और भी अधिक नुकसानदायक है।

दरअसल, समृद्ध और प्रगतिशील राज्य होने के बावजूद हरियाणा में बेरोजगारी की दर ज्यादा है। हाल ही में सीएमआई-सीईडीए द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक़ हरियाणा में बेरोजगारी दर सबसे अधिक यानी 34.1 प्रतिशत है, इसके बाद राजस्थान 27.1 प्रतिशत और झारखंड 17.3 प्रतिशत का नंबर है। हरियाणा प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, रोज़गार देने में नंबर होने पर ?भी बेरोजगारी की स्थिति चिंताजनक है।

सरकारी नौकरी पाना हालांकि युवाओं के लिये बड़ी चुनौती है। शिक्षकों के 50,000 से अधिक पदों सहित एक लाख से अधिक स्वीकृत पद खाली पड़े हुए हैं। एचएसएससी और एचपीएससी जैसी सरकारी भर्ती एजेंसियों का कामकाज संदेह के दायरे में है। प्रदेश में ऐसी कोई परीक्षा नहीं हुई जिसका पेपर लीक न हुआ हो, संगठित गिरोह लिखित परीक्षा पास करा रहे हैं। हाल ही में 27 लाख से अधिक उम्मीदवार जो पिछले 2 से 8 वर्षों से 9,361 पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें रद्द कर दिया गया। अन्य भर्तियां भी या तो रोक दी गई या फिर उन्हें रद्द कर दिया गया।

हर साल नौकरी चाहने वालों की संख्या में औसतन 2.5 लाख की वृद्धि होती है और लगभग एक लाख युवा चयन प्रक्रिया में देरी के चलते अधिक उम्र के हो जाते हैं। इसके अलावा, बेरोजगार युवाओं को हरियाणा कौशल रोजगार निगम की वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अनुबंध, तदर्थ, आउटसोर्सिंग आदि पर काम कर रहे हजारों कर्मचारियों का भविष्य भी अनिश्चितता के भवंर में है। जाहिर है, रोजगार की बढ़ती मांग की तुलना में सरकारी नौकरियां सीमित संख्या में हैं।

सरकारें ईमानदारी, गंभीरता और सहानुभूतिपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेपों के जरिये बेरोजगारी के इस दुश्चक्र को तोड़ें। उदाहरण के लिए, हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020 जिसे 15 जनवरी, 2022 से लागू किया गया है, के तहत 30,000 रुपये से कम मासिक वेतन वाली निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय लोगों के लिए 75 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन इस क़ानून में हरियाणा अधिवास की योग्यता अवधि को कम करके 15 वर्ष से घटाकर 5 वर्ष करना अनुचित है। इस कानून की वैधता और संवैधानिकता को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। चैंबर्स ऑफ इंडस्ट्री और ट्रेड यूनियनें इसके कार्यान्वयन को लेकर आशंकित हैं। यह निवेश के लिए पसंदीदा स्थान के तौर पर हरियाणा के आकर्षण को भी बर्बाद कर देगा। उद्योग सस्ते और कुशल कार्यबल की कमी एवं इंस्पेक्टर राज के भ्रष्टाचार के कारण अन्य राज्यों की ओर चले जायेंगे। मौजूदा समय में व्यापार का उदासीन माहौल, महामारी की तीसरी लहर का प्रकोप, बढ़ते एनपीए के कारण ऋण न मिलने के हालात, कमजोर जीडीपी, बढ़ती असमानताएं, कमजोर मांग और धीमा आर्थिक सुधार रोज़गार बाजार के फलने-फूलने में गंभीर बाधाएं खड़ी कर रहा है।

दूसरा, सरकार को हमारी युवा पीढ़ी की रोजगार योग्यता को बढ़ाने के लिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और उनके कौशल में वृद्धि करने की आवश्यकता है। वहीं उपयुक्त पाठ्यक्रम के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। वहीं कृषि क्षेत्र सहित कृषि-उद्योग को मजबूत करने की आवश्यकता है क्योंकि इनमें बड़े पैमाने पर कुशल और अकुशल श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने की क्षमता है। मनरेगा कार्यक्रम की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

दूसरी ओर एमएसएमईज़ को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए, जो कि बड़ी संख्या में कारीगरों, कुशल श्रमिकों, कलाकारों, पेशेवर विशेषज्ञों और पर्याप्त पेशेवर प्रशिक्षण हासिल करने वाले अन्य कामगारों को फायदेमंद रोजगार प्रदान करते हैं। वहीं बेरोजगारों की योग्यता के अनुसार उन्हें उपयुक्त बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिए।

बुद्धिमानी के उसूल और मूर्खता के शूल

शमीम शर्मा

एक बार एक चीते और गधे में बहस हो गई कि घास हरी है या नीली। गधा बार-बार दोहराये जा रहा था कि घास नीली होती है और चीता अपने पक्ष पर अडिग था कि घास का रंग हरा है। इसी मुद्दे को लेकर गधा जंगल के राजा शेर के सामने उपस्थित हुआ तो सारी बात सुनकर शेर ने कहा- तुम इत्मीनान से जाओ, हम चीते को दंडित करेंगे। स्वयं को विजयी मानकर गधा उछलता-कूदता चला गया। इसके बाद चीते ने शेर से मिलकर प्रश्न किया कि आपने मुझे सजा क्यों सुनाई है, जबकि आपको भी पता है कि घास का रंग हरा होता है। शेर बोला- सजा इस बात की है कि जब तुम्हें पता ही है कि घास का रंग हरा होता है तो तुमने एक मूर्ख से बहस करके अपना और मेरा समय क्यों खराब किया? कुल सार इतना ही है जो लोग पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हैं और अपनी धारणाओं पर कट्टर हैं, उन्हें समझाना महामूर्खता है। पर समय इतना विकराल आ गया है कि हर व्यक्ति दूसरे को मूर्ख समझता है या मूर्ख सिद्ध करने में जुटा हुआ है।

एक मनचले का कहना है कि उस आदमी को कोई मूर्ख नहीं बना सकता, जिसको अक्ल बादाम खाने से नहीं, मां की चप्पल खाने से आई हो। वैसे ज्यादा समझदार और मूर्ख में ज्यादा फर्क नहीं होता क्योंकि ये दोनों ही किसी की भी नहीं सुनते। उन्हें बस यही लगता है कि वे ठीक हैं और बाकी सारी दुनिया गलत। मूर्ख व्यक्ति की पहचान उसकी वाचालता से होती है जबकि मौन बुद्धिमान की पहचान है। सारा समाज चारित्रिक गुणों की बजाय कपड़ों से व्यक्ति को आंकने की मूर्खता में जुटा हुआ है। सारे पशुओं में गधे को मूर्ख का खिताब मिला है जबकि इसका कारण आज तक अज्ञात है। घर-घर में रखे टीवी को भी बुद्धू बॉक्स कहा जाता है। पर मेरी मान्यता है कि टीवी बुद्धू बॉक्स नहीं है बल्कि उसके सामने जो बैठे हैं, वे मूर्ख हैं क्योंकि अपना बहुमूल्य समय तो गंवाते ही हैं और साथ में आंखों की रोशनी को भी मद्धम कर लेते हैं।

एक बात कभी किसी की समझ में नहीं आ सकती कि औरतें अक्सर कहती मिलेंगी कि मर्द मूर्ख होते हैं। और साथ ही वे यह कहने से भी नहीं चूकती हैं कि हम पुरुषों से कम नहीं हैं।

उप च्छायामिव घृणेरगन्म शर्म ते वयम्।
'अग्ने हिरण्यसंदृशः।।

(ऋग्वेद ६-१६-३८)

हे अग्रणी प्रभु ! जिस प्रकार चिलचिलाती धूप से बचने के लिए एक मनुष्य छांव की शरण के लिये भागता है। उसी प्रकार विद्वान आपकी दिव्यता की छांव के लिए भागते हैं। उन्हें आप अपनी दिव्यता की छांव प्रदान करो।

O, first and foremost Lord ! As a person runs for shade from the scorching sun. Similarly, scholars, run for the shade of your divinity. Give them the shade of your divinity.
(Rig Veda 6-16-38).

विज्ञापन के उजाले तले हकीकत के अंधेरे

सौरभ जैन

'ऐ भाई! क्या तुम कोरोना हो?' हाड़-मांस के एक पुतले की तरह दिखने वाले एक शख्स से अमीरों की सोसायटी के चौकीदार ने पूछा। उसका बदन ठंड से कराह रहा था, शरीर जमा देने वाली ठंड में शब्द भी जम चुके थे, उसने न में गर्दन हिला कर अपने वायरस होने से इंकार कर दिया। न्यूज चैनलों पर प्राइम टाइम डिबेट देखने के आदी चौकीदार ने फ़ौरन ही अपना दूसरा सवाल दाग दिया। 'तो तुम यहां फुटपाथ पर क्यों सो रहे हो, क्या तुम्हें नहीं पता कि रात 11 से सुबह 5 बजे तक कोरोना की तफरी का समय होता है?' यह सुन वह शख्स बोला, 'तो मैं कहां जाऊं?' 'अरे! तुम तो बोलते भी हो।' चौकीदार खुश हो उठा। उसे रात काटने के लिए कंपनी जो मिल गई थी। उसने अपनी कुर्सी सोसायटी के गेट पर ही जमा ली। 'अच्छा तो भाई समस्या यह है कि तुम्हारा घर नहीं है?' 'मेरा घर गांव में है, गांव में घर है लेकिन काम नहीं है इसलिए काम की तलाश मुझे शहर ले आई। यहां दिहाड़ी-मजदूरी का काम तो है लेकिन घर नहीं है।' क्षणभर के लिए दोनों ही मौन हो गए। मौन को चीरते हुए चौकीदार ने सवालों की गठरी में से अगला सवाल उस शख्स के सामने रख दिया। 'अच्छा तो तुम मजबूर हो?' 'मजबूर या मजदूर कुछ भी कह लो, क्या फर्क पड़ता है!'

अंधेरी रात में सुनसान राहों पर चर्चा आगे बढ़ी। चौकीदार का खुद को खुद ही बुद्धिजीवी साबित करने का क्रम जारी रहा। 'भाई, इन दिनों टीवी पर इतने विज्ञापन आ रहे हैं, हर ब्रेक में गांवों की सूरत से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के आंकड़े दिखाए जा रहे हैं।' 'अब विज्ञापन वाले तो तंबाकू में केसर बता कर तंबाकू भी बेच देते हैं जबकि उससे होता तो कैंसर है।' 'वाह! तुम तो गरीबी में भी बढ़िया कटाक्ष कर लेते हो।' 'नहीं भाई, इस देश में गरीबी ही सबसे बड़ा व्यंग्य है।' 'दोस्त तुम बुरा मत मानना लेकिन तुम बड़े निराशावादी और नकारात्मक हो। क्या है न तुम व्हाट्सएप नहीं चलाते। तुम अपना नम्बर दो, मैं तुम्हें दो-चार समूहों में एड करवाता हूं फिर देखना सही इतिहास से लेकर राजनीति तक तुम कितने अपडेट हो जाओगे।' 'नहीं भाई, मैं ऐसे ही अच्छा हूं।' कहते हुए शख्स ने मुंह बना लिया। आधी रात में चर्चा कार्यक्रम में शख्स की रुचि खत्म होते देख चौकीदार विषय बदलते हुए बोला 'वैसे तुम्हारा नाम क्या है?' 'जी, मेरा नाम भारत है।' 'और तुम्हारी उम्र कितनी होगी? मेरे ख्याल से चेहरे से तुम लगभग 70 बरस के लग रहे हो!' 'अरे! भाई लग नहीं रहा, 70 बरस का हूं भी।' 'अच्छा यह तुम्हारे कपड़े जगह-जगह से फट रहे हैं।' 'वो क्या है न, यह पेट के यहां जो चिथड़ा है वह भुखमरी है, कंधे पर बेकारी, घुटने के वहां जो पायजामा फटा है वह भ्रष्टाचार है, पैरों की बेवाई नीतियों की विफलता का साक्षात् प्रमाण है!' चौकीदार कुछ कहता, इतने में गेट पर गाड़ी का हॉर्न बजता है और चौकीदार की नींद खुल जाती है।

पिछले 5 सालों में उत्तराखंड हर स्तर पर पिछड़ाः गोदियाल

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि पिछले पांच सालों में उत्तराखंड हर स्तर पर पिछड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बदतर हुई है। कहा भाजपा सरकार ने ८० हजार पेंशनें निरस्त कर लोगों को मुश्किलों में डाला है। कहा चुनाव को प्रभावित करने के लिए सरकार ने आचार संहिता का उल्लंघन कर कई निर्णय लिए। कांग्रेस की ओर से इन निर्णयों को चुनाव आयोग के समक्ष लाया गया। जिस पर चुनाव आयोग ने कई निर्णयों को बैन किया। पत्रकारों से बातचीत में गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आते ही श्रीनगर में लगे पानी के मीटरों को हटाया जाएगा। जिससे समस्या से जूझ रहे लोगों को राहत दी जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रीनगर नगर निगम राजनीतिक मंसूबों की नियत का शगूफा है। कहा कोर्ट ने इस निर्णय को स्थगित किया और पुनरू कांग्रेस की पूनम तिवाड़ी पालिका अध्यक्ष की कुर्सी काबिज हुईं। कहा उत्तरकाशी में भी सरकार ने इन्हीं मंसूबों के चलते जिला पंचायत अध्यक्ष को बर्खास्त किया। इस पर भी वह सफल नहीं हो पाई है।

मतदाता जागरुकता अभियान चलाया

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से श्रीनगर व आस–पास के क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ता मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक कर रहे हैं। एबीवीपी के केंद्रीय कार्य समिति के सदस्य ऋतांशु कंडारी ने बताया कि परिषद के कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। कहा लोगों को मतदान करने के अधिकार के बारे भी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में कार्यकर्ता बढ़–चढ़कर भागीदारी कर रहे हैं। इस मौके पर प्रदेश सह मंत्री संदीप राणा, ऋषभ रावत, अमन पंत, जसवंत , गौरव, राहुल पंवार, दीपक, हितेश, हिमांशु, पवन असवाल, शेखर रावत, नितेश आदि शामिल रहे।

सर्दियों में भी पेयजल किल्लत से जूझ रहे लोग

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। लक्ष्मोली–हडिमधार पेयजल योजना से लोगों को तीसरे दिन पानी नसीब हो पा रहा है। सर्दियों में योजना से लाभान्वित होने वाले गांवों में पेयजल किल्लत होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बार–बार आ रही इस समस्या के कारण लोगों में जल संस्थान के प्रति रोष पनपा हुआ है। लक्ष्मोली–हडिमधार पेयजल योजना से हिसरियाखाल, पाटाखाल व अकरी पट्टी के करीब ६० से अधिक गांवों में पेयजल आपूर्ति कराई जाती है। लेकिन इस योजना में अक्सर दिक्कत आने से पेयजल आपूर्ति चरमरा जाती है। वर्तमान में जल संस्थान के अधिकारियों के मुताबिक श्रीनगर परियोजना के कारण नदी में पानी न छोड़े जाने से पानी का स्तर नीचे चला गया है। जिसके कारण योजना के मुख्य टैंक तक पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा है। जिसके कारण एक क्षेत्र के कुछ गांवों में एक–एक दिन कर पानी की आपूर्ति कराई जा रही है।

भाजपा प्रत्याशी ने कार्यकर्ताओं से एकजुटता की अपील

नई टिहरी (आरएनएस)। प्रतापनगर विधायक विजय सिंह पंवार ने लंबगांव में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिये बूथ स्तर तक मजबूती के साथ काम करने की जरुरत है। कहा चुनाव के समय कार्यकर्ताओं की परीक्षा की घड़ी है। लिहाजा सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। कहा भाजपा शासनकाल के दौरान में हुये विकास कार्यों को कार्यकर्ता जनता के सम्मुख रखे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अश्वास्त किया छूटे हुये कार्यों को प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर प्राथमिकता से पूरा किया जाऐगा। कहा एकजुटता से काम कर उनकी पार्टी और विजय सुनिश्चित करें। मौके पर विधानसभा प्रभारी नथे सिंह नेगी, प्रेमदत्त जुयाल, भान सिंह नेगी, हर्षमणी सेमवाल, संजय पैन्यूली, राजपाल राणा, राजेंद्र नेगी, रमेश रावत, मनोज रमोला, गोविंद रावत, ममता पंवार, पुष्पा महर, प्रीति डिमरी, मुरली सेमवाल, संजीव कटवाल आदि मौजूद थे।

उक्रांद छोड़ ली कांग्रेस की सदस्यता

नई टिहरी (आरएनएस)। कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व कैबिनेट मंत्री, मंत्रीप्रसाद नैथानी की मौजूदगी में देवप्रयाग ब्लॉक में बड़ी संख्या में उक्रांद महिला नेत्रियों सहित कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। साठ से अधिक कार्यकर्ताओं के उक्रांद छोड़ कांग्रेस में शामिल होने पर पूर्व मंत्री नैथानी ने सभी का स्वागत करते कहा कि इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी। देवप्रयाग ब्लॉक में चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व मंत्री नैथानी ने जोगियाणा, भल्डियाणा,चपोली, पवेला, पुजार गांव ,गहड़ आदि में पहुंचे थे। चपोली में उक्रांद नेत्री व क्षेपंस काजल देवी आदि कांग्रेस में शामिल हुये। वहीं भल्डियाणा में उक्रांद नेत्री सजनी देवी सहित कई ने कांग्रेस की सदस्यता ली। गहड गांव में सड़क की मांग पूरी नहीं होने से नाराज लोगों ने कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा की। उक्रांद छोड़ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। मौके पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कुंदन सिंह बिष्ट, युंका अध्यक्ष महावीर सिंह, आशीष पंवार, रमेश चमोली, पूर्व जिपंस नत्थीलाल सुयाल आदि मौजूद थे।

परमार्थ निकेतन में शेर ए पंजाब लाजपत राय की जयंती पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने शेर ए पंजाब लाजपत राय की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि पंजाब के शेर ने जो क्रान्ति की मशाल जलायी थी उसने पूरे देश को रोशनी दी और भारतीयों के दिलों में स्वतंत्रता का दीप प्रज्वलित किया।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने उनके संदेश को दोहराते हुये कहा कि "मेरे शरीर पर पड़ी एक–एक लाठी अंग्रेज सरकार के कफन में कील साबित होगी'। उन्होने बताया कि यह कथन स्वराज्य के महान उपासक लाला लाजपत राय ने अपने आखिरी भाषण में कहा था। इस

कथन ने 'भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन' को एक संबल प्रदान किया था।

बताया कि लाला लाजपत राय ने 19वीं सदी के अंत में अकाल और विपदा से जो भारतीय प्रभावित हुये थे उनके कल्याण के लिए कई कार्य किये। उन्होंने अपना पूरा जीवन नारी शक्ति, विधवाओं एवं अनाथ बच्चों के कल्याण और सेवा में लगाया तथा अछूतों के उद्धार के लिये अछूतोद्धार आन्दोलन चलाया। साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, असहयोग आंदोलन में पंजाब का नेतृत्व किया तभी से उन्हें 'शेर-ए-पंजाब' की उपाधि से संबोधित किया जाने लगा। वे भारतीय समाज में व्याप्त ऊँच–नीच के भेद को समाप्त करना थे और उसके लिये जीवन पर्यंत कार्य करते रहे। कहा कि लाला लाजपत राय हिन्दी भाषा के उपासक भी थे। उन्होंने हिन्दी में शिवाजी, भगवान श्रीकृष्ण और कई अन्य महापुरुषों की जीवनियाँ लिखीं तथा हिन्दी के प्रचार–प्रसार हेतु बहुत बड़ा योगदान दिया। भारत में हिन्दी भाषा लागू करने के लिये उन्होंने हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था।

टिहरी पहुंचने पर किशोर का हुआ भव्य स्वागत

नई टिहरी (आरएनएस)। भाजपा में शामिल होने के बाद किशोर उपाध्याय नागणी व चंबा होने के बाद नई टिहरी पहुंचे। जहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने ढोल–दमाऊं के साथ किशोर उपाध्याय का भाजपा में स्वागत किया। किशोर उपाध्याय ने नई टिहरी के हनुमान चौक पर आम लोगों से मुलाकात करते हुये भाजपा के जिला कार्यालय पहुंचे। जहां पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उन्होंने चुनावी रणनीती को लेकर चर्चा की। लंबे समय से टिहरी से चुनाव लड़ने को लेकर किशोर उपाध्याय की चुप्पी से बाद आखिदी दौर में भाजपा में इंट्री से टिहरी सीट के समीकरणों में पूरी तरह से उलटफेर हो गया। भाजपा में शामिल होने के बाद पूरी जोश से किशोर आम लोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने लोगों से आशीर्वाद मांगा। लोगों ने भी जगह–जगह पर उनका ढोल–दमाऊं के स्वागत के साथ उन्हें शुभकामनायें दी।

आयकर विभाग देहरादून में मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आयकर विभाग देहरादून के कार्यालय परिसर में समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य आयकर आयुक्त विपिन चन्द्र ने राष्ट्रीय ध्वज को फैराया और उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया। इस उपलक्ष्य पर आयकर विभाग की वार्षिक हिंदी पत्रिका आयकर भारती का विमोचन भी मुख्य आयकर आयुक्त के कर कमलों से किया गया। समारोह में प्रधान आयकर आयुक्त, सुनील वर्मा और आयकर आयुक्त (अपीलस) नरेंद्र सिंह जंगपांगी भी उपस्थित रहे। समारोह का आयोजन कोरोना प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए किया गया।

भाविप ने किया सामूहिक वन्देमातरम गायन का आयोज़न

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भारत विकास परिषद देहरादून की सभी शाखाओं द्वारा २६ जनवरी २०१८ से गणतंत्र दिवस के अवसर पर सामूहिक वन्देमातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन गांधी पार्क/परेड ग्राउंड किया जाता रहा है परन्तु इसी क्रम में पांचवी बार सामूहिक वन्देमातरम गायन का कार्यक्रम कोविड महामारी की ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय कार्यालय तिलक रोड पर दिन में ३ बजे से आयोजित किया। इसका ऑनलाइन प्रसारण भी किया गया जिसमें परिषद की प्रान्त की २३ शाखाओं के सदस्य, परिवार एवं मित्रगण ने भी आनन्द उठाया।

मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक भगवती जी ने गणतंत्र दिवस व वन्देमातरम के विषय मे बताया, उन्होंने कहा कि आज भी वन्देमातरम के नाद से शरीर मे जोश भर जाता है,युवाओं में देश के प्रति कुछ कर गुजरने की इच्छा और बलवती होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष बृज प्रकाश गुप्ता ने की।

पीयूष निगम के देशभक्ति गीत व ओज के कवि श्रीकांत शर्मा के जोशीले कवितापाठ ने वातावरण को देशभक्तिमय कर दिया, संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ मुकेश गोयल ने किया, कार्यक्रम के सहसंयोजक कृष्ण कुमार अरोड़ा व रोहित कोचगवे ने सारी व्यवस्था को बनाने में सहयोग किया, अंत मे निशा मार्कण्डेय संगीत एकेडमी के बच्चों के द्वारा बहुत सुंदर ढंग से वन्देमातरम गायन प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम में नीरज मित्तल प्रान्त व्यवस्था प्रमुख, मनमोहन नागलिया, सुबास चन्द्र शतपथी, चन्द्रगुप्त विक्रम, योगेंद्र अग्रवाल, गोपाल गर्ग, जगदीश बाबला, मधु मारवाह, अंजना महेश्वरी, सुमन जैन, पवन शर्मा, ताजवर सिंह नेगी, खेम चन्द्र गुप्ता अनूप कौल , संजय भटनागर व अन्य भी गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

डायना पेंटी जल्द करण की धर्मा प्रोडक्शंस के एक प्रोजेक्ट में आएंगी नजर

डायना पेंटी बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री हैं। अपनी सुंदरता और ग्लैमरस लुक के कारण वह चर्चा में बनी रहती हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। अब इस अभिनेत्री के करियर से जुड़ी अहम जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो उन्होंने मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर के साथ हाथ मिलाया है। डायना बहुत जल्द करण की धर्मा प्रोडक्शंस के एक प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, डायना धर्मा प्रोडक्शंस के आगामी प्रोजेक्ट में अपने अभिनय का दम दिखाएंगी। सूत्र की मानें तो धर्मा प्रोडक्शंस ने एक खास प्रोजेक्ट के लिए डायना को अप्रोच किया है। मेकर्स और डायना के बीच बातचीत का दौर जारी है। रिपोर्ट की मानें तो डायना को हाल ही में मुंबई में धर्मा प्रोडक्शंस के कार्यालय में देखा गया था। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि वह करण की अगली फिल्म में दिखेंगी। डायना को धर्मा प्रोडक्शंस के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया था। इस दौरान वह हमेशा की तरह बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं। इस दौरान उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया का भी अभिवादन जताया। हालांकि, फिलहाल आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वह अपनी आगामी फिल्म सैल्यूट में दुलकर सलमान के साथ मलयालम सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। दुलकर के साथ स्क्रीन शेयर करना भी डायना के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

कुणाल देशमुख के निर्देशन में बनी फिल्म शिद्दत में भी डायना नजर आई हैं। यह फिल्म हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ मोहिता रैना, राधिका मदान और सन्नी कौशल जैसे सितारे भी नजर आए हैं। डायना ने साल 2०12 में फिल्म कॉकटेल के साथ बॉलीवुड में अपना पदार्पण किया था। इस फिल्म से उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा था। फिल्म में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण जैसे बड़े कलाकारों ने भी अभिनय किया था। डायना ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। बॉलीवुड से पहले उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में अपना नाम कमाया। वह कई जानी मानी विज्ञापन कंपनियों की ब्रांड अंबेसडर भी रह चुकी हैं।

फिल्म 'गहराइया' का पहला गाना 'डूबे' का मोशन पोस्टर रीलिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को आप सभी जल्द ही फिल्म 'गहराइयां' में देखने वाले हैं। वहीं उनके अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी भी मुख्य भूमिका में हैं। कुछ समय पहले फिल्म का ट्रेलर आउट हो गया है और अब अनन्या अपनी इस अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला सॉन्ग 'डूबे' का मोशन वीडियो शेयर किया है जो आप यहाँ देख सकते हैं। जी दरअसल इस मोशन पोस्टर में दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। आप देख सकते हैं अभिनेत्री ने मोशन पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, 'वाइब चेक- फॉलिंग इन लव'। ये गाना 24 जनवरी को रिलीज किया जाएगा। इस मोशन पोस्टर में दीपिका और सिद्धांत की केमिस्ट्री साफ दिख रही हैं। रिपोर्ट को माने तो अनन्या ने कुछ समय पहले ही यह बताया था कि, उनकी डायरेक्टर शगुन बत्रा से पहली मुलाकात कैसी रही। जी दरअसल उन्होंने कहा कि, शगुन से मेरी मीटिंग बहुत फनी थी। उनके बारे में सुनकर मैंने उनसे मिलने से पहले पोलिश और स्वीडिश फिल्में देखी। उनसे मिलकर मुझे लगा कि वो बहुत शांत और मेरे टाइप के हैं। वो अपने अभिनेताओं को जिस तरह का स्पेस देते हैं वो काबिले तारीफ है। इसके अलावा आगे उन्होंने कहा कि, जब मुझे फिल्म 'गहराइयां' की स्टोरी सुनाई गई तो मैं बाथरूम गई और 2० मिनट तक वापस नहीं आई। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश थी। शगुन के साथ काम करना मेरी बकैट लिस्ट में था। जब हम गोवा में दो महीने के लिए शूटिंग कर रहे थे और हमने जो रिश्ता बनाया है वो जीवनभर के लिए हैं। इस फिल्म ने मुझे अभिनेता और एक व्यक्ति के रूप में बदल दिया है। आपको बता दें कि गहराइयां 11 फरवरी को अमेजन प्राइम पर रिलीज हो रही है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

चाय और कॉफी में चीनी की जगह इन चीजों का कर सकते हैं इस्तेमाल

कई लोग अपने दिन की शुरूआत चाय या फिर कॉफी के सेवन से करना पसंद करते हैं, लेकिन इनमें मिलाई जाने वाली चीनी स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। इसी वजह से अगर आप चाय और कॉफी में मिठास के लिए चीनी की जगह कुछ अन्य विकल्प खोज रहे हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि चाय और कॉफी में चीनी की बजाय किन चीजों को मिलाया जा सकता है।

मेपल सिरप

मेपल सिरप कई तरह के मिनरल्स और विटामिन्स के साथ-साथ एंटी-ऑक्सीडेंट गुण से समृद्ध होता है। यहीं नहीं, इसमें कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होती है, इसलिए इसे चीनी का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प माना जाता है। आप चाहें तो अपनी चाय या कॉफी में चीनी की जगह मेपल सिरप को मिलाकर उनका स्वाद बढ़ा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप मेपल सिरप को कई तरह के मीठे व्यंजनों का हिस्सा बना सकते हैं।

गुड़

गुड़ भी चीनी का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है क्योंकि इसका सेवन भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। गुड़ में आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, फास्फोरस और कार्बोहाइड्रेट जैसे कई पोषक तत्व के साथ-साथ एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण और एंटी-एलर्जिक गुण आदि शामिल होते हैं, इसलिए इसे स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है। आप चाहें तो अपनी चाय या कॉफी के लिए गुड़ का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस ध्यान रखें कि गुड़ को चाय और कॉफी को बनाने के बाद डालना है।

कोकोनट शुगर

आजकल बाजार में कई तरह की चीनी मौजूद है, जिनमें कोकोनट शुगर यानी नारियल से बनी हुई चीनी भी शामिल है। यह चीनी कई तरह के पोषक तत्वों से समृद्ध होती है, इसलिए इन दिनों यह काफी प्रचलन में है और फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए अच्छी मानी जा रही है। इसलिए अगर आप चाहें तो अपनी चाय और कॉफी में कोकोनट शुगर को मिलाकर उनकी मिठास बढ़ा सकते हैं।

शहद

शहद एक बेहतरीन आयुर्वेदिक औषधि है क्योंकि इसमें कई प्रकार के खनिज व पोषक तत्व सम्मिलित होते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें एंटी-इंफेक्शन, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण भी मौजूद होते हैं, इसलिए इसे चाय या फिर कॉफी में चीनी की जगह मिलाना काफी अच्छा विचार हो सकता है। इससे न सिर्फ इन चीजों में मिठास आएगी बल्कि यह कई तरह से स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। आप चाहें तो स्मूदी और शेक आदि में भी शहद को मिला सकते हैं।

सर्दियों में चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए संतरा का करें इस्तेमाल

संतरे को चेहरे के लिए बहुत बेहतरीन माना जाता है। जी दरअसल इसमें मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट न सिर्फ सेहत बल्कि खूबसूरती को बरकरार रखने में भी काफी फायदेमंद है। जी हाँ और इसके छिलकों में पोटेशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे तत्व मौजूद होते हैं, जिससे आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकते हैं। अब आज हम आपको आपको बताते हैं कि ये स्किन के लिए क्यों फायदेमंद है।

आयली स्किन- जी दरअसल तैलीय त्वचा को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है संतरा। ऐसा इसलिए क्योंकि इसका एस्ट्रेंज तत्व त्वचा से अतिरिक्त तेल को आसानी से सोख लेता है। जी हाँ और इसके लिए दूध/दही या गुलाब जल में 1 बड़ा चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर मिलाएं और अब चेहरे पर 1०-15 मिनट लगाएं और फिर गुनगुने पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें।

बेजान स्किन- सनबर्न, प्रदूषण और बढ़ती उम्र कई कारणों से त्वचा अपनी चमक खोने लगती है। ऐसे में 1 चम्मच संतरे के छिलके से पाउडर बनाएं और इसमें 2 चम्मच शहद मिलाकर चेहरे व गर्दन पर 1०-15 मिनट लगाएं। अब सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें। ये ग्लोइंग और हाइड्रेटेड त्वचा के लिए फेस पैक हैं। इससे स्किन ड्राई भी नहीं होगी।

चेहरे पर दाने- इसके लिए 1 चम्मच संतरे के छिलके के पाउडर का पेस्ट बनाएं। इसमें 1 चम्मच नीम पाउडर और गुलाब जल मिलाएं। अब इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं और सूखने के बाद ताजे पानी से धो लें।

टैनिंग की समस्या- टैनिंग हटाने के लिए 1 बड़े चम्मच संतरे के पाउडर में 2 बड़े चम्मच दही या टमाटर का रस मिलाएं। इसे पूरे चेहरे, गर्दन और हाथों पर लगाएं। 1०-12 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

शब्द सामर्थ्य -104

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

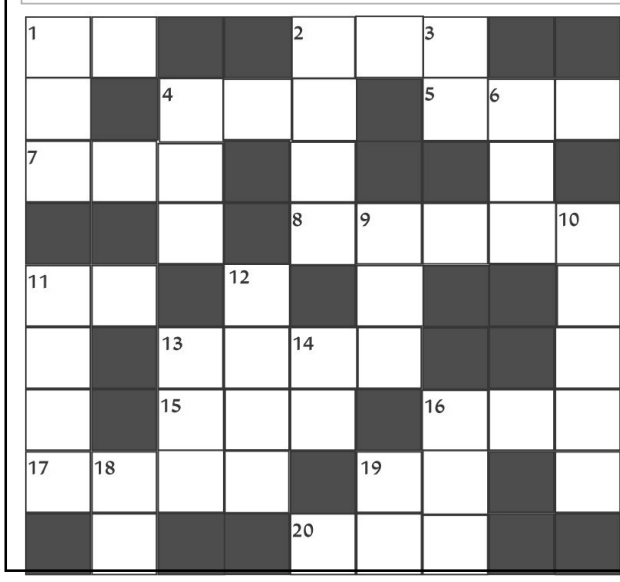

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 103 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

लाल सिंह चड्ढा की रिलीज़ डेट तय, केजीएफः चैप्टर 2 से होगी सिनेमाघर में भिड़ंत

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान इन दिनों अपनी आने वाली मूवी 'लाल सिंह चड्ढा' के कारण इन दिनों चर्चाओं में बने हुए है। कोविड संक्रमण के कारण से बीते कुछ ही दिनों में कई आने वाली मूवीज की रिलीज डेट आगे बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में दावा किया जा रहा था कि आमिर खान भी अपनी मूवी 'लाल सिंह चड्ढा' को 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज नहीं करने वाले है। दूसरी तरफ ये भी अफवाह थी कि 'केजीएफ: चैप्टर 2' के कारण से भी आमिर खान अपनी मूवी की रिलीज डेट बदल सकते हैं क्योंकि दोनों मूवी एक ही दिन आ रही हैं। इन सब खबरों ने फेंस को निराश कर दिया था लेकिन अब आमिर खान ने इन अफवाहों पर रोक लगाते हुए एक बयान को जारी कर दिया है, जिसमें उन्होंने साफ किया है कि मूवी की रिलीज डेट नहीं बदली जाने वाली है।

आमिर खान प्रोडक्शन में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान भी अपडेट कर दिया है, जिसमें उन्होंने बोला है कि मूवी तय समय यानी 14 अप्रैल 2022 को बैसाखी के दिन ही रिलीज की जा रही है। इस पोस्ट में प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया कि मूवी की रिलीज डेट को बदलने वाली सभी तरह की खबरें बिल्कुल गलत हैं और इसी वजह से इस तरह की खबरों पर विश्वान का किया जाए। वहीं, आगे इस पोस्ट में प्रोडक्शन हाउस ने फैंस का धन्यवाद देते हुए कहा कि हम उन सभी का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने इस मूवी को पूरा करने के सफर में हमारा साथ दिया है। आमिर खान की आने वाली मूवी 'लाल सिंह चड्ढा' और साउथ इंडस्ट्री की मोस्ट अवेटिड मूवी 'केजीएफ: चैप्टर 2' एक ही दिन यानी 14 अप्रैल 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाने वाली है। ऐसे में ये दिन मनोरंजन जगत के लिए बहुत खास होने वाला है। बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी मूवीज की भिड़ंत होती हुई नजर आएगी। दावा किया जा रहा था कि 'केजीएफ' की वजह से 'लाल सिंह चड्ढा' के कलेक्शन पर असर पड़ सकता है लेकिन आमिर खान प्रोडक्शन के इस पोस्ट से साफ है कि वह साउथ इंडस्ट्री की इस मूवी से नहीं डर रहे हैं।

मीरा जैस्मिन ने इंस्टाग्राम पर की एंट्री, कमबैक फिल्म मकाल की तस्वीरें पोस्ट की

पर्दे पर यादगार किरदारों में जान फूंकने वाली एक्ट्रेस मीरा जैस्मीन ने आखिरकार सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी का ऐलान कर दिया है। अभिनेत्री ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट खोला और निर्देशक साथियान अंतिकाड की मलयालम फिल्म मकाल से एक वर्किंग स्टिल पोस्ट की। मीरा ने फिल्म में जयराम के साथ जूलियट की मुख्य भूमिका निभाई है, जिसकी शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है।राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री, जिन्होंने तमिल और मलयालम दोनों फिल्मों में कई यादगार प्रदर्शन किए हैं, एक दशक से अधिक समय तक सुर्खियों से दूर रहीं है। अपनी पहली पोस्ट में मीरा जैस्मिन ने कहा, चलो हमेशा शुरूआत करें। कभी-कभी, यह सब कुछ होने के बारे में नहीं , बल्कि बदलाव के बारे में होता है। इस कदम को उठाकर खुशी हुई जो हम सभी को एक-दूसरे के करीब लाएगा। सभी को प्यार। इंस्टाग्राम से जुड़ने के एक दिन के भीतर ही उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़कर 95,000 हो गई है। उद्योग और बाहर दोनों जगह कई हस्तियों ने मंच पर मीरा का स्वागत किया और उन्हें अपना प्यार और शुभकामनाएं दीं।

रिलीज़ हुआ सलमान का नया वीडियो सांग मैं चला

सलमान खान पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक गमछा लपेटे हुए फोटोज साझा करके लोगों में जिज्ञासा पैदा करने का प्रयास किया था. उन्होंने उस वक्त इस पोस्ट में ये कहा था कि वो जल्द की कुछ नया लेकर आने वाले हैं. उन्होंने टीजर रिलीज का एलान करके लोगों में नई मूवी की चर्चा शुरू करा दी लेकिन सबकी सोच से अलग सलमान खान एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो के साथ दर्शकों के मध्य आ चुके है. गुरु रंधावा का गाया हुआ गाना 'मैं चला' जिसमें सलमान खान, एक्ट्रेस-सिंगर यूलिया वंतूर ने भी आवाज दी है जिसपर सलमान रोमांस करते हुए दिखाई दे रहे है. उस गाने को रिलीज़ कर दिया गया है इस गाने में सलमान पंजाबी लड़के की भूमिका में दिखाई दे रहे है. गुरु रंधावा ने इस गाने को बहुत प्यार से गाया है. सलमान के फैंस एक बार फिर उन्हें रोमांटिक अंदाज में देखकर बहुत उत्सुक दिखाई दे रहे है. सलमान खान जहां एक तरफ अपने एक्शन अवतार के लिए जाने जाते है वहीं दूसरे तरफ उनके रोमांस अवतार का भी कोई भी तोड़ नहीं है. सलमान खान का ये नया लुक उनकी लास्ट मूवी 'अंतिम : द फाइनल ट्रूथ' से मिलता जुलता लग रहा है क्योंकि उस मूवी में भी वो पंजाबी अवतार में दिखाई दिए थे लेकिन उस फ़िल्म में वह एक्शन करते नज़र आए थे और इस म्यूजिक वीडियो में पूरी तरह से वो रोमांस करते नज़र आ रहे है. इस गाने में उनकी दोस्त यूलिया वंतूर ने वॉइस दी है. यूलिया और गुरु की आवाज ने इस गाने की खूबसूरती को बढ़ा दिया है. इस गाने में सलमान के साथ प्रज्ञा जायसवाल दिखाई दे रही है. दोनों की जोड़ी बहुत सुंदर लग रही है. इस गाने को टी-सीरीज ने अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जा चुका है. इस गाने में शब्बीर अहमद की कंपोजिशन है और इस गाने को निर्देशित कर चुके है शबीना खान ने. इस गाने को सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है.

कोरोना के कारण टली दीपिका की मूवी 'गहराइया' की रिलीज़ डेट

दीपिका पादुकोण की आने वाली मूवी 'गहराइयां' का ट्रेलर कल एमेजॉन प्राइम वीडियो के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जा चुका है. इसका ट्रेलर के आने के उपरांत सबसे अधिक चर्चा में कुछ है तो वो है दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी के मध्य फिल्माए गए इंटिमेट सीन्स. इस मूवी की सबसे बड़ी हाइप दीपिका ही हैं. दीपिका पहली बार सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ कार्य करने में लगी हुई है और उन्होंने कई बोल्ड सीन भी देखने को मिले है. सबको रणवीर सिंह की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा थी. कल देर रात रणवीर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से दीपिका की पोस्टर साझा करके उनके इस मूवी की तारीफ में कसीदे भी पढ़ने को मिले है. उन्होंने ना सिर्फ दीपिका के किरदार की तारीफ की है बल्कि मूवी से जुड़े बाकी लोगों को भी शुभकामनाएं दे दी है. उन्होंने इस ट्रेलर को इंटेंस और मूडी बताया है.

रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर मूवी 'गहराइयां' का एक पोस्टर भी साझा कर दिया है, जिसमें सिर्फ दीपिका ही दिखाई दे रही है.उन्होंने पोस्टर साझा करते हुए लिखा कि मूडी, सेक्सी और इंटेस, डॉमेस्टिक नोयर? साइन कर लिया है.

रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका पादुकोण की इस मूवी का इंतजार बहुत वक्त से दर्शकों को है. इस मूवी की रिलीज डेट भी टाली जा चुकी है. ये अब 11 फरवरी 2022 को एमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाने वाली है.

इस मूवी को शकुन बत्रा निर्देशित कर रहे हैं. इसमें दीपिका के अतिरिक्त सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और धैर्य करवा भी हैं. जिसके अतिरिक्त दिग्गज कलाकार नसीरुद्दीन शाह और राजत कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में काम करते दिखाई देने वाले है. इसे करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं. ये दीपिका की सबसे खास फिल्मों में से एक है वो इसे अपने दिल के बेहद करीब बता रही हैं.

लंबे वक्त बाद फिल्म चुप से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही पूजा भट्ट

एक समय में अपनी अदाओं से सभी को मदहोश करने वाली मशहूर एक्ट्रेस पूजा भट्ट एक बार फिर से अपना दमदार अंदाज दिखाने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म निर्माता आर बल्कि की फिल्म चुप से लंबे वक्त बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जी हाँ, आपको हम यह भी बता दें कि इस फिल्म में अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री बेहद उत्साहित नजर आ रही हैं और उन्हें इस फिल्म को लेकर उत्सुकता भी है। मिली जानकारी के तहत इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में पूजा भट्ट, सनी देओल, सलमान और श्रेया धनवंतरी मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

रिपोर्ट को माने तो एक्ट्रेस का कहना है कि, मैं खुद को सौभाग्यशाली महसूस करती हूं कि मैं इस युवा जुनूनी दुनिया और उद्योग में स्क्रीन पर अपनी वापसी कर रही हूं। वर्ना 49 साल की उम्र में किसको इतना दमदार किरदार निभाने को मिल सकता है। मुझे लगता है कि वक्त बदल रहा है और आज 90 के दशक की तुलना में कहीं ज्यादा अवसर हैं। हम डिजिटल के माध्यम से एक नई भाषा बोलते है और बॉलीवुड के इसे पकड़ने की जरूरत है। वहीं आगे पूजा ने इस फिल्म के निर्माता आर बाल्की की तारीफ करते हुए कहा वो अपने शानदार निर्देशन के लिए जाने जाते हैं और उनकी एक अलग तरह की निगाहें है। इसलिए जब ये प्रोजेक्ट मेरे पास आया, तो मैंने इसके लिए हां कर दिया।

बता दें कि फिल्म निर्माताओं ने पिछले साल लेजेंड फिल्म निर्माता गुरू दत्त की पुण्यतिथि के मौके पर इस फिल्म साइकोलोजिकल थ्रिलर फिल्म का मोशन पोस्ट शेयर कर फिल्म के नाम का खुलासा किया था। आप सभी को हम यह भी बता दें कि फिल्म चुप आर बाल्की की पहली एक्शन थ्रिलर स्टाइल की फिल्म है। जी हाँ और आर बाल्की द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण होप प्रोडक्शंस और राकेश झुनझुनवाला प्रणव कपाड़िया द्वारा किया जा रहा है। वहीं अमित त्रिवेदी ने इस फिल्म का म्यूजिक दिया है। आपको हम यह भी बता दें कि इस फिल्म की स्क्रिप्ट को खुद आर बाल्की ने लिखी है और फिल्म के स्क्रिन प्ले और डायलॉग को आर बाल्की, राजा सेन और ऋषि विरमानी द्वारा लिखा गया है।

अक्षय की फिल्म बच्चन पांडे होली पर आएगी

अभिनेता अक्षय कुमार की कई फिल्में लाइन में लगी हैं। जिस फिल्म को लेकर दर्शकों की निगाहें सबसे अधिक टिकी हैं, उसका नाम है बच्चन पांडे। फिल्म से अक्षय के लुक को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। तभी से फैंस के साथ-साथ फिल्म समीक्षक इसकी रिलीज डेट की राह देख रहे थे। अब अक्षय ने इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। फिल्म इस साल होली के मौके पर 18 मार्च को आएगी।

अक्षय ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा इस होली को आ रही है। साजिद नाडियाडवाला की बच्चन पांडे 18 मार्च, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस अभिनेता ने फिल्म का नया पोस्टर भी शेयर किया है। इसमें अक्षय काले रंग का चश्मा, पगड़ी और बंदूक थामे हुए नजर आए हैं। उनका लुक वाकई में कमाल का लग रहा है।

फिल्म को साजिद प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान फरहाद सामजी ने संभाली है। पहले ऐसी खबरें आई थीं कि यह फिल्म चार मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले यह फिल्म 26 जनवरी को रिलीज होने वाली थी। कोरोना वायरस की महामारी के कारण फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई थी। बच्चन पांडे में जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और पंकज त्रिपाठी भी दिखेंगे।

हाउसफुल 4 के बाद अक्षय और कृति सैनन दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इन दोनों की जोड़ी को फिर देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। रिपोर्ट की मानें तो अक्षय इस फिल्म में उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले गैंगस्टर बच्चन पांडे के रोल में नजर आएंगे। वह फिल्म में अवधी टच वाली हिन्दी बोलते हुए दिखेंगे। इसके लिए वह ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। वहीं, कृति एक पत्रकार की भूमिका में अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगी।

बच्चन पांडे का करण मल्होत्रा की फिल्म शमशेरा से क्लैश होगा। शमशेरा भी 18 मार्च को सिनेमाघरों में आएगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यशराज बैनर के साथ रणबीर की यह तीसरी फिल्म है। भूल भुलैया 2 से भी बच्चन पांडे को टक्कर मिलने वाली है। फिल्म 25 मार्च को दर्शकों के बीच आने वाली है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन लीड रोल में हैं। अनीस बाज्मी ने फिल्म का निर्देशन किया है।

अक्षय फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य भूमिका में हैं। उन्हें फिल्म राम सेतु में जैकलीन फर्नांडिस व नुसरत भरूचा के साथ देखा जाएगा। वह फिल्म रक्षाबंधन में भी दिखने वाले हैं। फिल्म ओह माय गॉड 2 भी अक्षय के खाते से जुड़ी है। वह बेल बॉटम के निर्माता जैकी भागनानी की दूसरी फिल्म सिंड्रेला का भी हिस्सा हैं। वह जल्द ही प्रियदर्शन की एक फिल्म में भी नजर आ सकते हैं।

नई तकनीक के साथ रोजगार संरक्षण

भरत झुनझुनवाला

तमाम वैश्विक आकलनों के अनुसार भारत विश्व की सबसे तेज आर्थिक विकास हासिल करने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है। वैश्विक सलाहकारी संस्था प्राइस वाटरहाउस कूपर्स ने कहा है कि साल २०५० में भारत चीन के बाद विश्व की नंबर 2 अर्थव्यवस्था बन सकता है यदि आर्थिक सुधारों को लागू किया जाए। सामान्य रूप से वैश्विक संस्थाओं का दबाव रहता है कि जीएसटी, बुनियादी संरचना, पूंजी के मुक्त आवागमन और मुक्त व्यापार जैसे सुधारों को लागू किया जाए। गौर करने वाली बात यह है कि इन्हीं सुधारों को लागू करने के बावजूद हमारी आर्थिक विकास दर पिछले छह वर्षों में लगातार गिर रही है। इसलिए इतना सही है कि हमें आर्थिक नीतियों में बदलाव करना पड़ेगा। लेकिन यह सही नहीं कि इन्हीं आर्थिक सुधारों के सहारे हम आगे बढ़ सकेंगे। यहां विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था और आर्थिक विकास दर में गिरावट के विरोधाभास से भ्रमित नहीं होना चाहिए चूंकि हमारी कथित तेज विकास दर अंधों में काना राजा जैसी है।

सत्य यह है कि हमारी आर्थिक विकास दर में गिरावट केवल आर्थिक नीतियों के बल पर नहीं संभल सकती है। वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौती नई तकनीकों से सामंजस्य बैठाने की है। सेंट स्टीफेंस यूनिवर्सिटी कनाडा के प्रोफेसर मैथ्यू जानसन ने कहा है कि साल २०३५ तक ५० प्रतिशत रोजगार का हनन हो जाएगा क्योंकि ये कार्य रोबोट द्वारा किये जायेंगे। भारत के लिए यह परिस्थिति विशेषकर दुरूह है क्योंकि बड़ी संख्या में युवा हमारे श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। यदि इन्हें आय अर्जित करने के समुचित अवसर नहीं मिलेंगे तो ये कुंठित होंगे और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होंगे। औरंगाबाद महाराष्ट्र के एक प्रोफेसर ने बताया कि उनके एमए की डिग्री हासिल किये हुए छात्र एटीएम तोड़ने जैसी आपराधिक घटनाओं में लिप्त हो रहे हैं क्योंकि उनके पास रोजगार नहीं हैं। दूसरी तरफ, केरल में एक रेस्तरां में एक रोबोट द्वारा भोजन परोसा जा रहा है और हमारी अपनी मेट्रो में भी बिना ड्राइवर की ट्रेन को चलाया गया है। इसलिए दो परस्पर विरोधी चाल हमारे सामने हैं। एक तरफ नई तकनीकों के उपयोग से रोजगार का हनन हो रहा है तो दूसरी ओर बड़ी संख्या में युवा श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

इस समस्या को और गंभीर बनाया है हमारी उन नीतियों ने, जिनमें छोटे उद्यमियों को बड़े उद्यमों से सीधे प्रतिस्पर्धा में खड़े होने के लिए कहा गया है। बड़े उद्योगों की उत्पादन लागत कम आती है। जैसे दवा का उत्पादन करने वाली बड़ी कम्पनी कच्चे माल को चीन से आयात करेगी, कंटेनर को ब्राजील से लाएगी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जर्मनी से आयात करेगी। इनके पास अच्छी गुणवत्ता के इंजीनियर होंगे। बड़े पैमाने पर भी उत्पादन करने से लागत कम आती है, जैसे घानी से तेल निकालने में लागत ज्यादा आती है जबकि एक्सपेलर में लागत कम आती है। इसलिए बड़े उद्योगों को बढ़ावा देकर हम सस्ते माल का उत्पादन अवश्य कर रहे हैं लेकिन इसमें रोजगार का हनन हो रहा है। हमारे सामने ही नहीं बल्कि विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि हम युवाओं को इस बदलते तकनीकी परिदृष्य में रोजगार उपलब्ध करायें।

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारी कम्पनी आर्थर डी लिटिल और बैंक ऑफ अमेरिका ने कहा है कि स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन और छोटे उद्योगों को सहायता देनी चाहिए। लेकिन प्रोत्साहन पर्याप्त नहीं होगा। कारण यह कि छोटे उद्यमी की उत्पादन लागत ज्यादा आयेगी ही। इन्हें कच्चा माल थोड़ी मात्रा में स्थानीय सप्लायर से खरीदना पड़ता है, तुलना में घटिया गुणवत्ता के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगाने पड़ते हैं, और एक ही व्यक्ति को उत्पादन, बैंक, खाता, श्रमिक, आदि सब काम देखने पड़ते हैं। इन सभी कार्यों में इनकी कुशलता बड़ी कम्पनियों की तुलना में न्यून होती है। इस समस्या का समाधान भारत सरकार द्वारा छोटे उद्योगों के क्लस्टर बनाकर हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। मनमोहन सिंह सरकार के समय एक कमेटी ने कहा था कि छोटे उद्योगों का विशेष स्थानों पर एक झुंड बना दिया जाए जैसे मुरादाबाद में पीतल के सामान का और लुधियाना में होजरी का तो ये बड़े उद्योगों का सामना करने में सक्षम हो सकते हैं। इनके कई कार्य सामूहिक स्तर पर किये जा सकते हैं जैसे कच्चे माल की गुणवत्ता की टेस्टिंग करना अथवा प्रदूषण नियन्त्रण के उपकरण सामूहिक रूप से स्थापित करना इत्यादि। लेकिन इस नीति के बावजूद अपने देश में छोटे उद्योग पिट रहे हैं और रोजगार की समस्या गहराती जा रही है। इसलिए केवल समर्थन की हवाई बातों को करने के स्थान पर हमें समझना होगा कि छोटे उद्योगों को यदि जीवित रखना है तो उन्हें वित्तीय सहायता देनी ही पड़ेगी।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि छोटे उद्योगों द्वारा बनाये गये माल की लागत अधिक होगी। जैसे बड़े उद्योग में बनाई गयी टीशर्ट २०० रुपये में उपलब्ध हो सकती है तो छोटे उद्योग द्वारा २५० रुपये में। इस ऊंचे मूल्य को उपभोक्ताओं को वहन करना होगा। जो टीशर्ट हमें बड़ी कम्पनी से २०० रुपये में मिल सकती है उसे छोटे उद्योगों से उपभोक्ता को २५० रुपये में खरीदना होगा। प्रश्न है कि ऐसा क्यों किया जाए? मेरा मानना है कि हमें इस ५० रुपये के अतिरिक्त खर्च को 'रोजगार टैक्स' के रूप में देखना चाहिए।

हमारे सामने दो रास्ते हैं। यदि हम बड़े उद्योगों से उत्पादन करायेंगे तो बेरोजगारी बढ़ेगी, अपराध बढ़ेंगे, बेरोजगारी भत्ता देना होगा और अपराध से भी आर्थिक विकास का ह्रास होगा। इन बेरोजगारी भत्ते और अपराध के नियन्त्रण के मूल्य को यदि छोटे उद्योगों को आर्थिक सहायता के रूप में दे दिया जाए तो छोटे उद्योग चल निकलेंगे, उनके द्वारा रोजगार उत्पन्न होंगे और ये खर्च करने की सरकार को जरूरत नहीं पड़ेगी।

प्रश्न यह भी है कि यदि हमारे देश में टीशर्ट के उत्पादन का मूल्य २५० रुपये है तो हम वैश्विक बाजार में निर्यात कैसे करेंगे? इसका उपाय है कि निर्यात विशेष के लिए बड़े उद्योगों द्वारा सस्ते उत्पादन की छूट दे दी जाए लेकिन घरेलू बाजार के लिए छोटे उद्योगों से ही उत्पादन कराया जाए। ऐसा करने से हम वैश्विक बाजार के लिए रोबोट से उत्पादन कर सकते हैं और घरेलू बाजार के लिए श्रम से उत्पादन कर सकते हैं। हम दोनों उद्देश्यों को हासिल कर सकते हैं।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

आयुष्मान ने शुरु की एन एक्शन हीरो की शूटिंग

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना अपनी अगली फिल्म एन एक्शन हीरो की शूटिंग ब्रिटेन में करने के लिए उत्साहित हैं। इससे उन्हें देश की सुंदरता, इसकी कला और विरासत का पता लगाने में मदद मिलेगी। नवोदित अनिरुद्ध अय्यर द्वारा निर्देशित फिल्म में आयुष्मान एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे।अभिनेता ने खुलासा किया कि एक एक्शन हीरो जैसी फिल्म को एक निश्चित पैमाने के कैनवास की आवश्यकता होती है। इसलिए लंदन में शूटिंग जरूरी थी।

वे कहते हैं कि यह पहली बार है जब मैं लंदन में शूटिंग करूंगा। मैं देश की सुंदरता को करीब से देखने के लिए काफी उत्साहित हूं। एन एक्शन हीरो को ऐसे पैमाने पर रखा गया है जो बड़े स्थानों पर शूट करने योग्य है। इसलिए, हम भारत के कुछ खूबसूरत स्थानों के साथ, यूनाइटेड किंगडम में भी शूटिंग करेंगे। मुझे यकीन है कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। अभिनय के पेशे के साथ मिलने वाले आशीर्वाद के बारे में बात करते हुए, वह कहते हैं कि हम अभिनेता धन्य हैं क्योंकि हमारा पेशा हमें उल्लेखनीय स्थानों पर ले जाता है, हमें अविश्वसनीय लोगों से मिलता है और सहयोग करता है और हमें काल्पनिक यादें बनाने में भी मदद करता है। अपने करियर के दौरान, मुझे हमेशा नई जगहों की यात्रा करना पसंद रहा है और शुक्र है कि मुझे ऐसे अवसर प्रदान किए गए हैं जो मुझे दुनिया के कई खूबसूरत स्थानों की यात्रा करने की अनुमति देते हैं। एन एक्शन हीरो का निर्माण आनंद एल राय की कलर येलो प्रोडक्शन और भूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा किया जा रहा है।

सू- दोकू क्र. 104

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 103 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

सुरक्षा कवच का साल

एक वैश्विक महामारी के खिलाफ स्वदेशी व देश में निर्मित टीकों की मदद से टीकाकरण का कामयाब साल पूरा करना हमारी उपलब्धि है। इतने कम समय में वैज्ञानिकों ने टीका हासिल किया, राजसत्ता ने इच्छाशक्ति दिखायी और चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा फ्रंट लाइन वर्करों ने उसे अंजाम तक पहुंचाया। सब कुछ जीरो से शुरू करने जैसा था, फिर भी देश ने न केवल सवा अरब से ज्यादा आबादी का ख्याल रखा बल्कि दूसरे देशों की भी मदद की।

हम याद रखें कि देश की आर्थिक स्थिति कैसी है, हमारा चिकित्सा तंत्र किस हाल में था और संसाधनों की क्या स्थिति है। दूसरी लहर के दौरान कई बड़े देशों ने वैक्सीन की कच्ची सामग्री देने में आनाकानी की और चीन ने कई तरह के व्यवधान पैदा किये। इतने बड़े व भौगोलिक जटिलताओं के देश के गांव-देहात में जाकर टीके लगाना निस्संदेह कठिन था। टीकों का उत्पादन और फिर सुरक्षित तापमान में लक्षित आबादी तक पहुंचाना आसान नहीं था। जब राज्यों को टीकाकरण का दायित्व दिया गया तो उस दौरान जो राजनीतिक कोलाहल हुआ, उसे देश ने देखा। सुप्रीम कोर्ट की तल्खी भी देखी। सुखद है कि देश की सत्तर फीसदी वयस्क आबादी को दोनों टीके लगे हैं। करीब 157 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। वह भी तब जब खुद स्वास्थ्यकर्मियों की जान को भी खतरा था। इनकी प्रतिबद्धता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राष्ट्र ने डाक टिकट जारी किया। लेकिन ऐसे वक्त में जब रोज नये संक्रमण के मामले दो लाख से अधिक आ रहे हैं और सक्रिय मामलों का आंकड़ा दस लाख पार कर गया है, तो सतर्क रहने की जरूरत है। नये वेरिएंट का खतरा टला नहीं है और वायरस के रूप बदलने की आशंका बनी हुई है। कहा जा रहा है कि ओमीक्रोन के कम घातक होने के कारण केवल अस्पताल में भर्ती होने वाले तथा मरने वालों का ही आंकड़ा जारी किया जाये। साथ ही अनावश्यक प्रतिबंधों में तार्किक ढंग से ढील दी जाये ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति के लिये रोजी-रोटी का संकट पैदा न हो। सख्ती एक नई मानवीय त्रासदी को जन्म दे सकती है।

वहीं, यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय मार्च से बारह से पंद्रह साल के बच्चों के टीकाकरण की दिशा में बढ़ रहा है। निस्संदेह, इससे जहां अभिभावकों की चिंता दूर होगी, वहीं स्कूलों को सामान्य ढंग से खोलने में मदद मिलेगी। विकसित देश पहले ही इस दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। बल्कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके बारह साल से छोटे बच्चों के टीकाकरण के लिये सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है। वहीं दिव्यांगों के टीकाकरण के बाबत दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार ने हलफनामा दायर किया है कि किसी को जबरन टीका लगाने को बाध्य नहीं किया जाएगा। साथ ही दिव्यांगों को टीकाकरण का प्रमाणपत्र दिखाने की बाबत कहा कि किसी मानक प्रक्रिया के तहत यह अनिवार्य नहीं है। बहरहाल, इतना जरूर है कि दिव्यांगों की दिक्कतों के चलते उनके घर-घर जाकर टीका लगाने की जरूरत है। लेकिन जब भारत में कोरोना संक्रमण के मामले अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर हैं तो नागरिकों से सजग-सतर्क व्यवहार की उम्मीद है। हम न भूलें कि इतने बड़े अभियान के बाद करोड़ों लोग ऐसे भी हैं जो आज भी टीका लगाने से बच रहे हैं। तीसरी लहर के आंकड़े बता रहे हैं कि अस्पताल में भर्ती होने वालों व मरने वालों में वे ही लोग ज्यादा हैं, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया।

निस्संदेह, दोनों टीके लगाने के बाद भी कुछ लोगों को संक्रमण हुआ है, लेकिन यह कम घातक रहा और अस्पताल में भर्ती होने की नौबत नहीं आयी। बहरहाल, एक अनजानी महामारी से फौरी तौर पर लोगों को सुरक्षा कवच तो मिला ही है। जिन लोगों के लिये पहली-दूसरी लहर में संक्रमण घातक हुआ उनमें से अधिकांश लोग पहले से ही गंभीर रोगों से ग्रस्त थे। बहरहाल, जो टीकाकरण से रह गये हैं उन्हें जल्दी से जल्दी टीका लगवाना चाहिए। तभी महामारी का खात्मा संभव है। (आरएनएस)

कांग्रेस सेवादल ने दिनेश अग्रवाल के समर्थन में चलाया जनसंपर्क अभियान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस सेवादल ने धर्मपुर विधानसभा के प्रत्याशी दिनेश अग्रवाल के समर्थन में टर्नर रोड वार्ड में जनसंपर्क अभियान चलाया कांग्रेस की नीतियों को आम जनता के बीच पहुंचा कर कांग्रेस के लिए वोट मांगे प्रदेश सचिव महानगर प्रभारी पियूष गौड़ ने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस सेवा दल कांग्रेस के प्रत्याशियों के लिए जनसंपर्क अभियान चलाएं इस मौके पर प्रदेश सचिव महानगर प्रभारी पीयूष गौड़ वार्ड ७८ के अध्यक्ष विजेंद्र कनौजिया महिला वार्ड अध्यक्ष अंजू नाहर महानगर सचिव अकरम वार्ड उपाध्यक्ष छोटेलाल गौतम आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एक परिवार के चार लोगों पर गैगस्टर

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने किट्टी के नाम पर लाखों की धोखाधडी के आरोपी एक ही परिवार के चार लोगों पर गैगस्टर का मुकदमा दर्ज।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किट्टी का संचालन कर लोगों से लाखों रूपये लेकर उनको वापस ना करने के मामले में गिरफ्तार आशा नागर, उसके पति हरिकांत नागर व बेटी अदिति नागर व उषा नागर के खिलाफ कोतवाली नगर में गैगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया।

भाजपा व कांग्रेस के दिग्गजों ने भरे..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

ही प्रत्याशी नामांकन पत्र भरने के लिए घरों से निकल पड़े थे। कल इन नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी तथा 31 जनवरी को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि है। राज्य में 14 फरवरी को मतदान होगा तथा 10 मार्च को मतगणना होगी।

शाह ने रुद्रप्रयाग की जनता से मांगा..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

विकास की जरूरत है और यह विकास भाजपा की सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि आज देश का कोई कोना ऐसा नहीं है कि जहां उत्तराखंड का जवान न हो। उन्होंने कहा कि देवभूमि का जो योगदान सीमाओं की रक्षा में रहा है वह किसी भी राज्य का नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में सैनिकों को जो सम्मान दिया गया है वह पहले किसी सरकार ने नहीं दिया है। उन्होंने पूर्व सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन का जिक्र करने से लेकर राज्य में किए जाने वाले सैन्य धाम के निर्माण की बात करते हुए कहा कि भाजपा सैनिकों के सम्मान और सैन्य साजो सामान को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने इस अवसर पर स्वर्गीय सीडीएस बिपिन रावत की सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि देश उनकी सेवाओं के लिए उन्हें हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सीमाओं की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह सतर्क है, सीमा क्षेत्रों में विकास के काम जारी है।

इस अवसर पर उन्होंने केदारनाथ के पुनर्निर्माण और ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन का जिक्र करते हुए कहा कि चार धाम ऑलवेदर रोड निर्माण से विकास की नई परिभाषा लिखी गई है। उन्होंने राज्य में विकास से पलायन रोकने की बात कही। उन्होंने कहा कि मैं आपसे अपील करता हूं कि आप इस विकास की गति को बनाए रखना चाहते हैं तो एक बार फिर भाजपा के पक्ष में मतदान कर देवभूमि में भाजपा की सरकार बनाने का आशीर्वाद दें। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक भी उनके साथ थे।

कोरोनेशन अस्पताल के चिकित्सकों से मारपीट मामले में प्रदर्शन

हमारे संवाददाता

देहरादून। कोरोनेशन चिकित्सालय में बीती रात नशा मुक्ति केन्द्र से लाये गये एक युवक की संदिग्ध मौत के बाद अराजक तत्वों द्वारा डाक्टरों व वार्ड बाय के साथ मारपीट कर दी गयी। घटना के विरोध में आज सरकारी चिकित्सकों द्वारा विरोध जताते हुए अपने-अपने अस्पतालों में प्रदर्शन कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की गयी है।

बता दें कि बीती रात कोरोनेशन अस्पताल में एक मरीज को नशा मुक्ति केन्द्र से लाया गया था। जिसे देखने के बाद चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। जिसके बाद परिजन आक्रोशित हो गये और उन्होने डाक्टरों

पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान तमंचा भी लहराया गया, घटनाक्रम सीसी टीवी कैमरे में कैद हो चुका है।

वहीं मामले की जानकारी मिलते ही आज सरकारी चिकित्सकों में आक्रोश फूट गया और उन्होने अपने अपने संस्थानों पर प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग शुरू कर दी गयी।

1728 कर्मियों का रेंडामाइजेशन किया

बागेश्वर (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग की तैयारियों में और तेजी आने लगी है। सामान्य प्रेक्षक श्री कृष्ण कांत पाठक के निर्देशन में मतदान में लगे कार्मिको का द्वितीय रेंडमाईजेशन जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में किया गया। जनपद में दोनो विधानसभाओं में १८८–१८८ कुल ३७६ मतदेय बनाए गए हैं। इन स्थलों में मतदान कराने हेतु १७२८ मतदान कर्मियों का रेंडमाईजेशन किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत कुमार ने कहा कि द्वितीय रेंडमाईजेशन के उपरांत मतदान कार्मिको की विधानसभावार पार्टी का गठन किया गया, जिनका द्वितीय व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण आगामी एक फरवरी से स्थानीय डिग्री कॉलेज में होगा। रेंडमाईजेशन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र सिंह इमलाल, नोडल अधिकारी कार्मिक डीडी पंत, नोडल प्रशिक्षण संजय सिंह, प्रभारी कार्मिक संगीता आर्या, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी भावेश जगरिया, सहायक निर्वाचन अधिकारी रमेश चन्द्र आर्या आदि मौजूद थें।

हजारों की नगदी सहित 6 जुआरी दबोचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेल रहे छह जुआरियों को पुलिस ने कल देर शाम हजारों की नगदी व ताश की गड्डी सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना बसंतविहार पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में शास्त्रीनगर खाले के समीप कुछ जुआरी सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेल रहे है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर छह लोगों को हिरासत में ले लिया। जिनके कब्जे से पुलिस ने ताश की गड्डी व 7300 रूपये बरामद किये। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम किशन नाथ पुत्र स्व. लोकनाथ, गंगा सिंह पुत्र स्व. धनपाल सिंह, मोहनलाल पुत्र स्व. सुपाल सिंह, रणवीर सिंह राणा पुत्र गोपाल राणा, फकीर चंद पुत्र स्व. जगराम व राजकुमार चौधरी पुत्र सत्यनारायण चौधरी निवासी शास्त्रीनगर खाला बताया। पुलिस ने उन्हे जुआ अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

जुआरियो को दबोचने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी इंदिरानगर विकसित पंवार, उ.नि.प्रमोद कुमार, कां. जितेंद्र कुमार, शादाब अली, गौरव चौधरी, हरेंद्र कुमार, डंबर सिंह , राजीव कुमार, रामनारायण व अनिल शामिल रहे।

चौबट्टाखाल के विकास के लिए करूंगा कामः महाराज

पौड़ी (आरएनएस)। जिले की हॉट सीट चौबट्टाखाल से बीजेपी प्रत्याशी एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने अपना नामांकन किया।

सतपाल महाराज ने कहा कि चौबट्टाखाल का विकास उनकी प्राथमिकताओं में है। महाराज ने कहा कि मतदाताओं ने बीजेपी को वोट दिया तो कश्मीर से धारा ३७० हट गई, तो भव्य राम मंदिर बनने का रास्ता साफ हो गया।

महाराज ने कहा कि उत्तराखंड में रेल प्राजेक्ट उनके ड्रीम प्रोजेक्टों में शामिल रहा है और उस पर काम हो रहा है। व्यासघाट रेलवे स्टेशन से सतपुली की दूरी महज ४५ किलोमीटर ही होगी। अपने कार्यकाल में हुए कामों को गिनवाते हुए सतपाल महाराज ने कहा कि सतपुली और स्यूंसी झील की शुरुआत हो गई है। क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। एकेश्वर, ज्वाल्पा, ताड़केश्वर महादेव को सर्किट के तौर पर विकसित किया गया है, हालांकि कोविड ने पर्यटकों में इजाफा नहीं होने दिया। वहीं साहसिक खेलों से लेकर एंगलिंग की सभी संभावनाओं पर काम किया और क्षेत्र में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए कई पंपिंग योजनाओं की शुरूआत हो गई है।

सीएम के चेहरे को लेकर पूछे गए सवाल को महाराज ने टाल दिया और कहा कि यह निर्णय पार्टी के शीर्ष और बड़े नेताओं को करना है। पार्टी उनका जैसे उपयोग करना चाहेगी वह उस जिम्मेदारी को निभाएंगे। अभी वह वर्चुअल से विभिन्न क्षेत्रों के मतदाताओं को बीजेपी के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करने का काम कर रहे हैं। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख नीरज पांथरी सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

एक नजर

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की पोती ने की आत्महत्या!

नई दिल्ली । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा की पोती सौंदर्या ने शुक्रवार को फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। वह ३० साल की थीं। फिलहाल शव का बॉरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल में पोस्टमॉर्टम चल रहा है। बीएस येदियुरप्पा के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। सौंदर्या बेंगलूरु के एमएस रमैया अस्पताल में एक डॉक्टर थीं। पुलिस के अनुसार, वह शहर के माउंट कार्मेल कॉलेज के पास एक अपार्टमेंट में अपने पति और छह महीने के बच्चे के साथ रह रही थीं। सौंदर्या की दो साल पहले ही शादी हुई थी। वह शुक्रवार सुबह मृत पाई गईं और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बॉरिंग अस्पताल भेज दिया गया है। बेंगलूरु के हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सौंदर्या येदियुरप्पा की पहली बेटी पद्मा की बेटी थीं। उनकी मौत की खबर से उनके परिवार और प्रदेश बीजेपी को झटका लगा है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ बीजेपी के दिग्गज नेता येदियुरप्पा को सांत्वना देने अस्पताल पहुंचे हैं। पुलिस के अनुसार पहली नजर में ये एक आत्महत्या का मामला नजर आ रहा है।

सिद्धू ने प्रॉपर्टी पर कब्जा करने के लिए मां को बेघर किया और झूठ बोला: सुमन तूर

नई दिल्ली । पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की सगी बहन होने का दावा करने वाली सुमन तूर ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर अपने सिद्धू पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी पर कब्जा करने के लिए मां को बेघर किया और झूठ बोला। अमेरिका में रहने वाली नवजोत सिद्धू की बहन डॉ, सुमन ने कहा कि उनके भाई ने पिता भगवंत सिद्धू की मौत के बाद मां निर्मल भगवंत और बहनों को घर से निकाल दिया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता ने लोगों से झूठ बोला कि जब वह (सिद्धू) दो वर्ष के थे तब मां–बाप अलग हो चुके थे। सुमन तूर ने कहा कि उनकी मां ने लावारिस हालत में दिल्ली रेलवे स्टेशन पर दम तोड़ा था। सुमन ने कहा कि मैं चुनाव के कारण ऐसा नहीं कर रही हूं, बल्कि मुझे एक आर्टिकल के जरिए यह जानकारी मिली है कि नवजोत सिद्धू ने मेरी मां के बारे में यह बयान दिया था कि वह और उसके पिता तब अलग हो चुके थे, जब वह २ साल के थे। उनका अपनी मां और बहनों के साथ कोई रिश्ता नहीं है।

बीएसएफ व पाक घुसपैठियों के बीच मुठभेड़, 47 किलो हेरोइन, हथियार और गोला-बारुद बरामद

गुरदासपुर । पंजाब में भारत–पाकिस्तान बॉर्डर पर गुरदासपुर के चंदू वडाला पोस्ट के नजदीक नशा तस्करों और सीमा सुरक्षा बल जवानों में आज सुबह बड़ी मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक सिपाही घायल भी हुआ है, जिसे अमृतसर के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटनास्थल से जवानों ने ४७ किलो हेरोइन, हथियार और गोला–बारूद बरामद हुए हैं। जवानों ने जो हेरोइन बरामद की है, उसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये की बताई जा रही है। बताया जाता है कि आज तड़के ५.१५ बजे सीमा पर हलचल देखकर वहां तैनात बीएसएफ जवानों ने जांच शुरू कर दी और भारत की सीमा में घुस रहे लोगों को रुकने को कहा। इस पर घुसपैठियों ने फायरिंग कर दी। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने भी कई राउंड फायर किए, जिसकी वजह से काफी देर तक दोनों पक्षों में मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तानी तस्करों के प्रयास को विफल किया और पीले प्लास्टिक से ढके ४७ पैकेट हेरोइन, ७ पैकेट अफीम, ४४ राउंड ०.३० कैलिबर, १ चीनी पिस्तौल २ मैगजीन, एक बेरेटा पिस्तौल, एके ४७ की ४ मैगजीन जब्त किए। मुठभेड़ के बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस के जवानों ने पूरे क्षेत्र में सर्च आपरेशन शुरू किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र की नाकाबंदी की गई।

भाजपा तो सीट के लिए सेना पर भी राजनीति करती है: सुरजेवाला

संवाददाता

देहरादून। अपनी राजनीति और वोट के लिए भाजपा सेना के शौर्य व कार्यवाहियों को भी अपनी उपलब्धियां बताती है। यह आरोप आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणजीत सिंह सुरजेवाला ने एक पत्रकार वार्ता के दौरान लगाये।

उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर होता है। सेना के हित के लिए काम कर ने वाली भाजपा भले ही कुछ भी दावे क्यों ना करे लेकिन अब तक सैन्य कल्याण मदों में कितना बजट स्वीकृत किया और वास्तव में दिया कितना इसका उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा झूठ का पुलिंदा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता स्वंय को सबसे बडा राष्ट्र भक्त

❑पीएम हर साल कार बदल सकते हैं तो सैनिकों पर एक कार की पाबंदी क्यों?

साबित करने के लिए कुछ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सेना देश की होती है किसी दल की नहीं होती है। लेकिन भाजपा के शासनकाल में एक नयी परम्परा शुरू हुई है। सेना द्वारा दुश्मन देशों के खिलाफ की गयी कार्यवाही अब सरकार और भाजपा की उपलब्धियों के लिए गिनायी जाती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सैनाओं के लिए क्या किया है। सीएसडी की कैंटीनों से सैनिकों को जो सुविधा थी उसे भाजपा सरकार ने सीमित कर दिया। दस हजार से अधिक का सामान वह नहीं खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने फौज में रहने वालों को अपने कार्यकाल में एक ही कार खरीदने की अनुमति दी है कोई भी दूसरी कार नहीं खरीद सकता है। वह भी 1800 सीसी से अधिक बढी नहीं खरीद सकता। उन्होंने कहा कि सैनिकों पर यह प्रतिबंध क्यों है। प्रधानमंत्री पर यह प्रतिबंध क्यों नही है। प्रधानमंत्री सात साल में पांच कार बदल सकते हैं और 84 लाख की कार खरीद सकते है। हमारे देश के सैनिक अपने कार्यकाल में छोटी सी कार ही क्यों खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की राष्ट्रभक्ति और सेना के कल्याण की बात ढोल में पोल है। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति झूठ का पुलिंदा है अब जनता भाजपा का सच जान चुकी है।

भाजपा ने अंतिम क्षणों में बदला डोईवाला प्रत्याशी

दीप्ति रावत नहीं अब बृजभूषण लड़ेंगे डोईवाला सीट से चुनाव

संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने डोईवाला सीट पर अंतिम क्षणों में अपना प्रत्याशी बदल दिया गया है। बीती रात भाजपा ने दीप्ति रावत को अपना प्रत्याशी बनाया था लेकिन सुबह होते ही भाजपा ने दीप्ति रावत की जगह बृज भूषण गैरोला को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित करते हुए उन्हें सिंबल प्रदान कर दिया गया। सिंबल मिलते ही बृजभूषण गैरोला ने अपना नामांकन पत्र भी भर दिया है।

उल्लेखनीय है कि डोईवाला सीट पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत की सीट होने के कारण हॉट सीट मानी जा रही है। त्रिवेन्द्र सिंह द्वारा इस बार पार्टी को चुनाव न लड़ने की इच्छा जताई गई थी जिसके बाद इस सीट पर टिकट को लेकर घमासान की स्थिति बनी हुई है। बृजभूषण गैरोला की संगठन में अच्छी पकड़ बताई जाती है। वहीं वह पूर्व दर्जा धारी राज्य मंत्री भी रहे हैं।

भाजपा द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने पर गैरोला नें प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा ने उन पर जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि डोईवाला सीट पर जीत बड़ी चुनौती है लेकिन उन्होंने इस क्षेत्र में कई काम किए हैं तथा पार्टी का आम कार्यकर्ता उनके साथ है। गैरोला को पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत का करीबी माना जाता है।

गैरोंला ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत के वह आभारी हैं उनका हमेशा ही सहयोग मिलता रहा है। इस सीट पर अब गैरोला का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी गौरव चौधरी से होगा कांग्रेस द्वारा पहले इस सीट पर रोहित शर्मा को टिकट दिया गया था जिसे बाद में बदल दिया गया और उनकी जगह गौरव चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया।

आपदा प्रबन्धन एक्ट में दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। रात्रि कर्फ्यू में कोरोना-19 संक्रमण के बचाव हेतु राज्य सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों का उल्लघंन करने पर पुलिस ने आपदा प्रबंधन एक्ट में 2 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात थाना कालसी पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को दो अलग अलग स्थानों पर दो लोग घूमते हुए मिले। पुलिस द्वारा जब उनके इस सम्बन्ध में पूछा गया तो वह कोई संतोषपूर्ण जवाब नहीं दे सके। इस पर पुलिस ने उनके खिलाफ आपदा प्रबन्धन एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिनके नाम अशरफ पुत्र सफर दिन निवासी शिमला हिमाचल प्रदेश व प्रमोद कुमार पुत्र चमन लाल निवासी हरबर्टपुर बताया जा रहा है।

टीचर से मांगी 25 लाख की फिरौती

संवाददाता

देहरादून। प्राईमरी स्कूल की टीचर से फोन पर मैसेज कर 25 लाख रूपये की फिरौती मांगी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उदय विहार ब्राहमणवाला निवासी मधु बहुगुणा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह प्राईमरी स्कूल में टीचर है। उन्होंने बताया कि उनके फोन पर एक मैसेज आया कि वह उनको 25 लाख रूपये दे दे नहीं तो उसके पूरे परिवार को मार दिया जायेगा। जिससे वह काफी घबरा गयी हैं। फिरौती का मामला सामने आने पर पुलिस विभाग ने बडी गम्भीरता से लिया और मुकदमा दर्ज कर फोन नम्बर की जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।